



श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीन एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

चित्रलेखा

जुलाई - दिसंबर 2024





श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान,
त्रिवेन्द्रम की अर्द्ध वार्षिक गृह पत्रिका

चित्रलेखा

मुख्य संरक्षक

प्रोफ.डॉ. संजय बिहारी

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान
निदेशक

संपादक

डॉ.देबाशिष गुप्ता

प्राध्यापक, आधान चिकित्सा विभाग

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान

संपादकीय सलाहकार समिति

डॉ. बी. सन्तोष कुमार

कुलसचिव

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान

फोटोग्राफी एवं डिजाइन

श्री.लिजी कुमार पी

वैज्ञानिक अधिकारी, मेडिकल इल्लस्ट्रेशन प्रभाग

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान

रूपांकन

सुश्री नीतू के एम,

कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान



श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान- परिचय

संस्थान का प्रारंभ सन् 1973 में हुआ जब त्रावणकोर के शाही घराने ने केरल की जनता और केरल सरकार को एक बहुमंजली इमारत भेंट की। सन् 1976 में योजना आयोग के तत्कालीन उपाध्यक्ष श्री .पी.एन हस्कर ने श्री चित्रा चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन किया और इसके साथ ही मरीजों के लिए विविध सेवाओं और अंतरंग चिकित्सा का आरंभ हुआ। उसके शीघ्र बाद साटेलमोन्ड महल, पूजप्पुरा के अंदर जैवचिकित्सीय प्रौद्योगिकी स्कंध का आरंभ हुआ जो कि अस्पताल स्कंध से 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यह इमारत भी शाही घराने द्वारा भेंट दी गई थी।

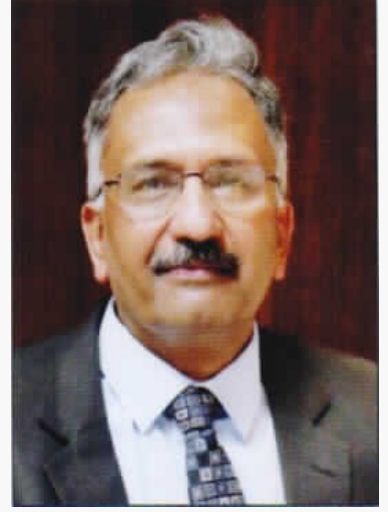
भारत सरकार ने आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी विज्ञान को एकल बृहत संस्थान में विलय करने की अवधारणाओं को अत्यंत महत्वपूर्ण माना और सन् 1980 में एक संसदीय अधिनियम के द्वारा इस संस्थान को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित करके इसका नामकरण “श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम” किया।

15 जून 1992 को भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्री माननीय डॉ. मनमोहन सिंह ने संस्थान के तीसरे आयाम अच्युत मेनन सेंटर फॉर हेल्थ साइंस स्टडीस (ए.एम.एस.सी.एच.एस.एस) की आधार शिला रखी। उसके बाद 30 जनवरी, 2000 को तत्कालीन विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री.मुरली मनोहर जोशी ने अच्युत मेनन केन्द्र को राष्ट्र के लिए समर्पित किया।





निदेशक की कलम से



हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और एकता का प्रतीक है। यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। हिंदी का ज्ञान भारतीय संस्कृति और समाज को गहराई से समझने और उसमें घुलने-मिलने में मदद करता है। हिंदी दुनिया भर में करोड़ों लोगों द्वारा बोली जाती है, जो इसे दुनिया की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक बनाता है। हमारे संस्थान की हिन्दी गृह पत्रिका चित्रलेखा २०२४ के द्वितीय खंड के प्रकाशन की खबर से मैं अत्यंत खुश हूँ। क्योंकि यह हमारे श्री चित्रा परिवार की हिन्दी के प्रति रुचि व्यक्त करने का अभिव्यक्ति का एक माध्यम है। इस पत्रिका में हमारे कर्मचारियों द्वारा लिखित लेख, कविता, रिपोर्टें, राजभाषा की गतिविधियां आदि शामिल हैं।

चित्रलेखा २०२४ के द्वितीय खंड के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर चित्रलेखा के सभी योगदानकर्ताओं और प्रकाशन के लिए कार्य कर रहे सभी कर्मियों को बधाइयाँ देता हूँ।

प्रो. (डॉ). संजय बिहारी
निदेशक



संकायाध्यक्ष की कलम से



मुझे श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एससीटीआईएमएसटी), त्रिवेंद्रम की हिंदी पत्रिका चित्रलेखा के इस संस्करण को पेश करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस प्रकाशन के माध्यम से, संस्थान संस्थान के भीतर होने वाली विभिन्न गतिविधियों की महत्वपूर्ण जानकारी हिंदी के माध्यम से शेष दुनिया के साथ साझा करता है।

एससीटीआईएमएसटी चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने अग्रणी कार्य के लिए प्रसिद्ध है, और चित्रलेखा नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अपने लेखों के माध्यम से, चित्रलेखा हमारे संस्थान की बहुमुखी प्रकृति को प्रदर्शित करता है, न केवल स्वास्थ्य सेवा और अनुसंधान में हमारी प्रगति पर प्रकाश डालता है, बल्कि हमारे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की रचनात्मक गतिविधियों और बौद्धिक प्रयासों पर भी प्रकाश डालता है।

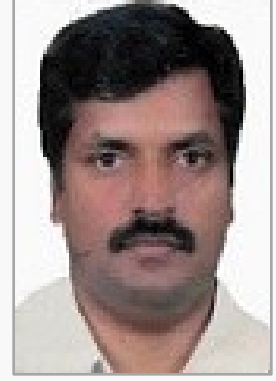
इस अंक में आप स्वतंत्रता दिवस, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, विश्व रोगी सुरक्षा दिवस, हिन्दी दिवस आदि तथा एससीटीआईएमएसटी में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों पर रिपोर्ट पढ़ सकते हैं। मैं एससीटीआईएमएसटी समुदाय के सभी लोगों को चित्रलेखा से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। इसे पढ़ें, साझा करें और इसके आगामी संस्करणों में योगदान दें। आइए इस पत्रिका को विचारों को साझा करने, समझ को बढ़ावा देने और हमारी संस्था की जीवंत भावना का जश्न मनाने के लिए एक मंच के रूप में काम करें। मुझे विश्वास है कि यह संस्करण जानकारीपूर्ण और आनंददायक होगा, और मैं आशा करता हूँ कि आने वाले वर्षों में चित्रलेखा इसी प्रकार फलती-फूलती रहेगी।

मैं इस पत्रिका के पीछे काम करने वाली टीम की सराहना करता हूँ और धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इस संस्करण का विमोचन संभव बनाया।

डॉ रॉय जोसफ
संकायाध्यक्ष
शैक्षणिक कार्य प्रभाग



प्रमुख, बी.एम.टी स्कंध की मंगल संदेश



मुझे यह जानकर खुशी हुई कि चित्रलेखा का अगला अंक प्रकाशन के लिए तैयार है। यह गृह-पत्रिका हमारे राष्ट्रभाषा हिन्दी में, अपने कलात्मक एवं लेखन कौशल को व्यक्त करने के लिए चित्रा परिवार के सदस्यों को एक अवसर प्रदान करती है। यह कोई आसान काम नहीं है, बल्कि संयुक्त प्रयासों का परिणाम है मैं इस प्रयास की सफलता की कामना करता हूँ।

मैं इस अवसर पर चित्रलेखा के सभी योगदानकर्ताओं एवं संपादकों को बधाई देता हूँ।

डॉ. हरिकृष्ण वर्मा पी आर
प्रमुख, जैवचिकित्सीय प्रौद्योगिकी स्कंध



उप निदेशक की कलम से



यह खुशी की बात है कि हमारे संस्थान के हिन्दी गृह पत्रिका 'चित्रलेखा' जुलाई -दिसंबर 2024 का द्वितीय खंड प्रकाशित होने जा रहा है। 'चित्रलेखा' संस्थान के डॉक्टर, अभियंता, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारियों और छात्रों के विचार एवं प्रतिभा को हिन्दी में दर्शाने का माध्यम है। इसे संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने की दूसरी सीढ़ी मानना चाहिए। भारत सरकार के राजभाषा नीति के अनुसार हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने वाले इस कदम की सफलता के लिए पूरे संस्थान का योगदान अनिवार्य है। मैं आशा करता हूँ कि यह 'चित्रलेखा' पत्रिका संस्थान में प्रचलित हो। इसके पीछे काम करने वाले सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

डॉ मणिकंडन एस
उप निदेशक



कुलसचिव की कलम से



मुझे खुशी है कि मैं कई वर्षों से चित्रलेखा की संपादकीय टीम का सदस्य हूं और संस्थान के निवासियों, छात्रों और कर्मचारियों को देखने का अवसर प्राप्त कर रहा हूं। योगदान के विभिन्न स्तर, विभिन्न विचार, दृष्टिकोण और फिर भी हम सभी अपने आप को सर्वोत्तम तरीके से अभिव्यक्त करने के तरीके ढूंढ लेते हैं। एक बार मार्टिन लूथर ने कहा था, 'यदि आप दुनिया को बदलना चाहते हैं, तो अपनी कलम उठाएं और लिखें'। पत्रिका की विषय-वस्तु से हमें बिना किसी भय के, स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने की स्वतंत्रता सीखने की जरूरत है। इस तरह की पहल छात्रों और कर्मचारियों को ऐसे अवसर प्रदान करने तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने में सहायक होगी। शुभकामनाएँ।

डॉ सन्तोष कुमार बी
कुलसचिव एवं संयोजक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति



संपादक की कलम से



श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के हिन्दी गृह पत्रिका "चित्रलेखा" का नया संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है। "चित्रलेखा" का यह नया संस्करण आपको समर्पित करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। यह पत्रिका हमारे संस्थान के डॉक्टर, अभियंता, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारियों और छात्रों ने अपने विचार एवं प्रतिभा को हिन्दी में दर्शाने का प्रयास किया है।

हमारी संस्थान हिन्दी राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए यह हिन्दी पत्रिका हर साल प्रकाशित करती है। संस्थान ने मुझे इस पत्रिका का संपादन का दायित्व सौंप कर गौरवान्वित किया है। हमने पूरी कोशिश की है कि यह पत्रिका उच्च कोटि स्तर का हो, जिसके लिए हमने इस संस्करण में आपके अनुभवों, हमारे संस्थान की उपलब्धियों और आपके भावनाओं को समाहित किया है।

मैं संस्थान के निदेशक महोदय, डॉ. संजय बिहारी का व्यक्तिगत आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने इस पत्रिका को उच्च कोटि का स्थान दिलाने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया है। इनके आलावा, मैं सभी लेखकों का भी व्यक्तिगत आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने इस पत्रिका के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया है। मुझे आशा है कि इस में प्रकाशित कृतियों से पाठकों को उचित मार्ग दर्शन एवं जानकारी प्राप्त होगी तथा दैनिक सरकारी कार्यों में हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि होगी।

मैं उम्मीद करता हूँ कि आप सब इसी तरह इस यात्रा में हमारे सहयोग करते रहेंगे और आप सबको यह संस्करण बेहद पसंद आयेगा।

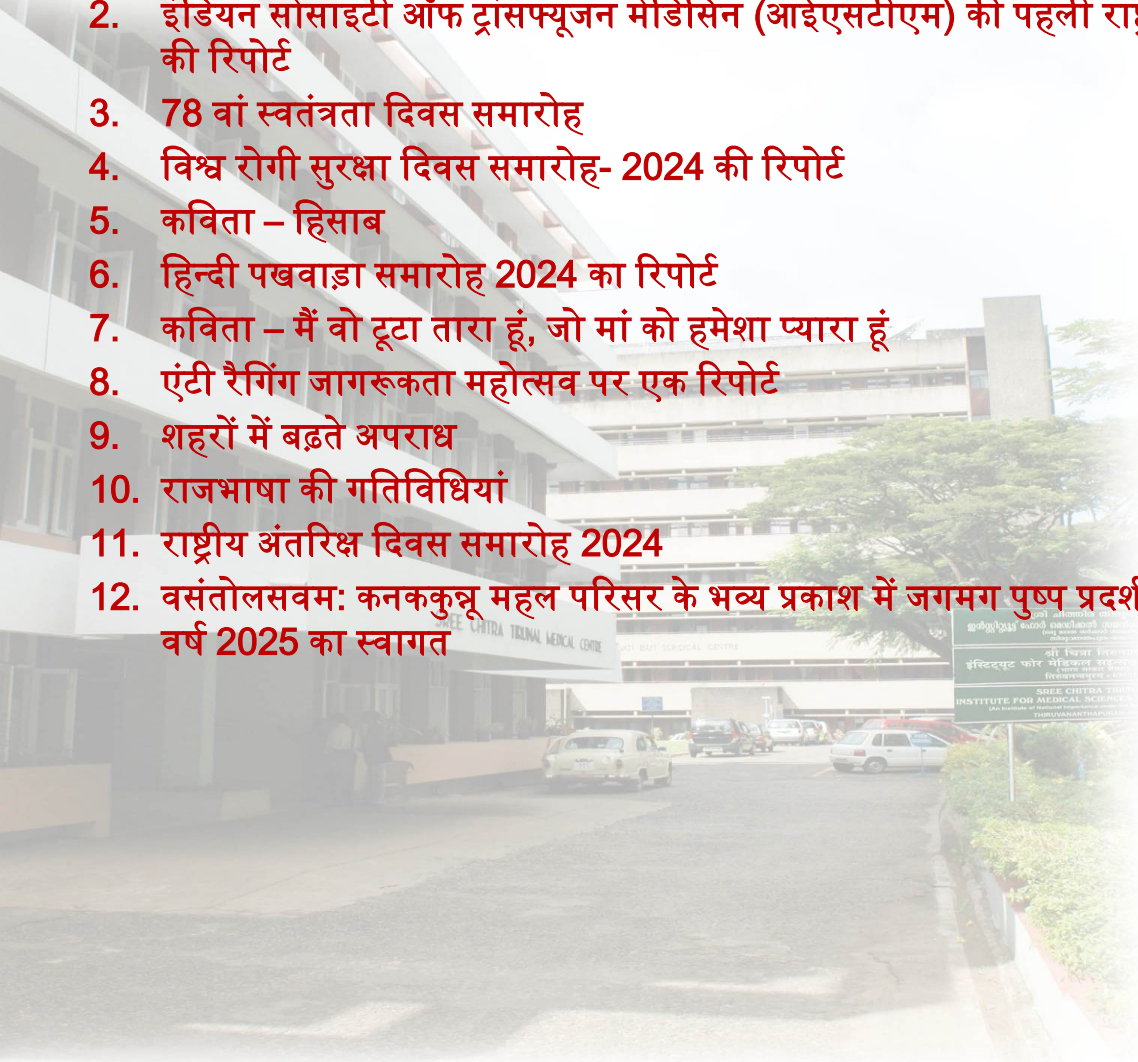
जय हिन्द !

डॉ. देबाशिश गुप्ता
प्रोफेसर
रक्त आदान चिकित्सा विभाग



विषय सूची

1. हिंदी दिवस 2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन
2. इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (आईएसटीएम) की पहली राष्ट्रीय सीएमई की रिपोर्ट
3. 78 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह
4. विश्व रोगी सुरक्षा दिवस समारोह- 2024 की रिपोर्ट
5. कविता – हिसाब
6. हिन्दी पखवाड़ा समारोह 2024 का रिपोर्ट
7. कविता – मैं वो टूटा तारा हूं, जो मां को हमेशा प्यारा हूं
8. एंटी रैगिंग जागरूकता महोत्सव पर एक रिपोर्ट
9. शहरों में बढ़ते अपराध
10. राजभाषा की गतिविधियां
11. राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह 2024
12. वसंतोलसवम: कनककुन्नू महल परिसर के भव्य प्रकाश में जगमग पुष्प प्रदर्शनी द्वारा नव वर्ष 2025 का स्वागत





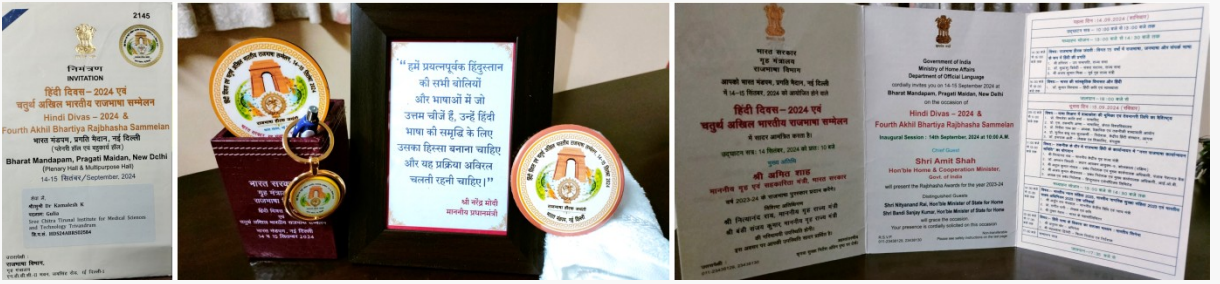
राजभाषा हीरक जयंती वर्ष: हिंदी दिवस २०२४ एवं
चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन
भारत मंडपम में आयोजित दो दिवसीय हिंदी समागम (१४-१५ सितम्बर २०२४) का विवरण

हिंदी दिवस - 2024
एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन
राजभाषा हीरक जयंती वर्ष
भारत मंडपम, नई दिल्ली
14 व 15 सितंबर 2024



वर्ष 2024 राजभाषा हीरक जयंती वर्ष का आयोजन दिल्ली के दिल में नव निर्मित अति आधुनिक विशाल सभागार भारत मंडपम में किया गया था जो की एक बहुत ही अविस्मरणीय एवं रोचक ज्ञान वर्धक अनुभूति प्रदान करने वाला विशेष कार्यक्रम रहा। एक दिन पूर्व, वाई एम् सी इ परिसर, नयी दिल्ली में निमंत्रण पत्र वितरण का प्रबंध किया गया था। हमने मेट्रो रेल सुविधा का उपयोग किया और पटेल चौक स्टेशन, कनॉट प्लेस पर पहुंच कर पैदल रास्ते में दिल्ली की विशालकाय कार्यालयों का दीदार किया जैसे की भारत का निर्वाचन आयोग भवन, जेम कार्यालय और दिल्ली पुलिस मुख्यालय। निमंत्रण पत्र के साथ किट में बहुत सी यादगार वस्तुएं मिली जैसे चाबी का छल्ला, बिल्ला, कलम स्टैंड इत्यादि। वापसी में गुरुद्वारा बंगला साहिब, जो दिल्ली का सबसे प्रमुख सिख पूजा स्थल है, के दिव्य दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।





14 सितम्बर की सुबह सुबह हम पहुंचे भारत मंडपम, प्रगति मैदान जहां पर निमंत्रण पत्र एवं सुरक्षा जाँच के बाद प्रवेश हुआ। चारो तरफ प्रतिनिधियों का हुजूम था (लगभग दस हजार प्रतिभागी से ज्यादा ही लोग होंगे)। मुख्य अतिथि श्री अमित शाह (माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार) द्वारा विशिष्ट अतिथिगणों की गरिमामयी उपस्थिति में राजभाषा पुरस्कार दिये गए और हीरक जयंती विशेष ७५ रुपये के चांदी के सिक्के का विमोचन तालियों की गड़गड़ाहट के बीच किया। प्रख्यात हिंदी विदों एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा इ-शब्दकोष, देवनागरी लिपि की भूमिका, कवी सम्मेलन, कविता पाठ, संवाद, सिनेमा और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता २०२३ इत्यादि विषयों पर परिचर्या बहुत विशेष रही। ओणम जोकि केरल का विशेष पर्व है, १५ सितम्बर को हिंदी दिवस में ओर भी उत्साह और प्रसन्नता का प्रसार कर दिया।





इस सम्मेलन में बहुत सी हिंदी पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। इस सम्मेलन में हिंदी की गूंज को भारत की प्रगति में योगदान की अपूर्व कहानियों द्वारा जन जन तक पहुंचने का कार्य अग्रसर रहेगा।



कमलेश के गुलिया, पी एच डी
वैज्ञानिक जी एवं प्रभारी, निद्रा अनुसंधान विभाग
बायोमेडिकल टेक्नोलॉजी विंग, सैटलमॉन्ड पैलेस
श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम
(भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)



इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (आईएसटीएम) की पहली राष्ट्रीय सीएमई की रिपोर्ट

इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (आईएसटीएम) की पहली राष्ट्रीय सीएमई 11 और 12 जुलाई 2024 को हयात रीजेंसी, त्रिवेन्द्रम में आयोजित की गई। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का आयोजन त्रिवेन्द्रम में भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व के संस्थान श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एससीटीआईएमएसटी) के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा किया गया।

देश भर से ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 349 पंजीकृत प्रतिनिधियों ने दो दिवसीय शैक्षणिक समारोह में भाग लिया। सीएमई का विषय था 'ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के भविष्य को खोलना'। सावधानीपूर्वक तैयार किए गए वैज्ञानिक कार्यक्रम में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसकी सभी उपस्थित प्रतिनिधियों ने सराहना की। इस सीएमई ने लगातार बढ़ते ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन समुदाय के भीतर सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और मूल्यवान संबंधों की स्थापना के लिए एक मंच तैयार किया।

इस कार्यक्रम में प्रख्यात ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विशेषज्ञों द्वारा कुल 34 अतिथि व्याख्यान दिए गए तथा स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति के रूप में 104 शोध प्रस्तुतियां दी गईं।

सीएमई का उद्घाटन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) के निदेशक डॉ. वी. नारायणन ने मुख्य अतिथि के रूप में किया, इसरो के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम निदेशालय के पूर्व निदेशक और आईआईटी मद्रास में प्रैक्टिस के वर्तमान प्रोफेसर डॉ. वी. आर. ललिताम्बिका मुख्य अतिथि थे, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद (एनबीटीसी) के निदेशक डॉ. कृष्ण कुमार विशेष अतिथि थे। आयोजन टीम के अलावा एससीटीआईएमएसटी के संकायाध्यक्ष डॉ. राय जोसेफ और आईएसटीएम के सचिव डॉ. रत्ती राम शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे। पहली बार, आयोजन टीम ने सीएमई के लिए शुभंकर पेश किए, जिनका नाम किडो और केली था, जो कथकली के पुरुष और महिला संस्करण हैं, जिनका नाम मानव रक्त समूहों "किड" और "केल" के नाम पर रखा गया था। उन्होंने सीएमई के दौरान हमारे प्रतिनिधियों को रक्त के ज्ञान के महासागर में गहराई से गोता लगाने के लिए ले गए।

सीएमई के सहयोग से प्रदान किया गया एक और अनुठा वैज्ञानिक अवसर त्रिवेन्द्रम में दो प्रसिद्ध ब्लड बैग निर्माण सुविधाओं, अर्थात् टेरुमो पेनपोल और एचएलएल लाइफ केयर का दौरा था। ब्लड बैग निर्माण की तकनीक स्पष्ट रूप से एससीटीआईएमएसटी के जैव चिकित्सा प्रौद्योगिकी स्कंध में विकसित की गई थी और टेरुमो पेनपोल और एचएलएल लाइफ केयर को हस्तांतरित की गई थी। यह स्नातकोत्तर छात्रों के लिए जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर था, जहां वे रक्त बैग निर्माण की अत्याधुनिक तकनीक से परिचित हुए और बातचीत की।

डॉ. संजय बिहारी, निदेशक एससीटीआईएमएसटी संरक्षक थे, डॉ. देबाशीष गुप्ता, प्रोफेसर और प्रमुख, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और अध्यक्ष, आईएसटीएम आयोजन अध्यक्ष थे, डॉ. अमिता आर, एसोसिएट प्रोफेसर, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, एससीटीआईएमएसटी वैज्ञानिक समिति की अध्यक्ष थीं, डॉ. विनू राजेंद्रन, सहायक प्रोफेसर, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, एससीटीआईएमएसटी, आयोजन सचिव और श्रीमती सिंधु पीएन, वैज्ञानिक अधिकारी, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, एससीटीआईएमएसटी सीएमई के कोषाध्यक्ष थे। आयोजन समिति में केरल राज्य भर के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के संकाय और स्नातकोत्तर शामिल थे।



आईएसटीएम सीएमई 2024 की एक झलक
एससीटीआईएमएसटी के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित

उद्घाटन समारोह



डॉ. वी. नारायणन, निदेशक, एलपीएससी इसरो द्वारा उद्घाटन



स्मारिका विमोचन



प्रो. डॉ. देबाशीष गुप्ता,
आयोजन अध्यक्ष एवं
अध्यक्ष आईएसटीएम



डॉ रॉय जोसफ, संकायाध्यक्ष,
एससीटीआईएमएसटी



डॉ अमिता आर नायर,
वैज्ञानिक समिति अध्यक्ष



मुख्य अतिथि- डॉ. वी नारायणन, निदेशक,
एलपीएससी इसरो



मुख्य अतिथि – डॉ. वी.आर. ललिताम्बिका,
पूर्व निदेशक, मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम निदेशालय,
इसरो





डॉ. कृष्ण कुमार, निदेशक, एनबीटीसी,
डीजीएचएस, भारत सरकार

डॉ. विनू राजेंद्रन, आयोजन सचिव

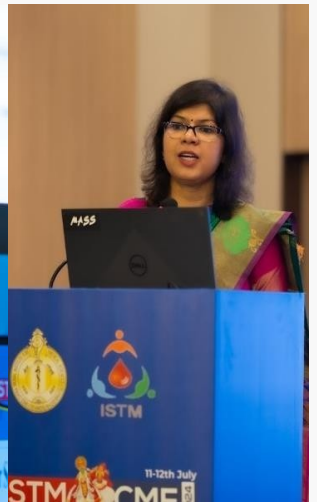


हमारे आधिकारिक शुभंकर – किड्डो और केली





वैज्ञानिक सत्र





मनोरंजन





हमारी टीम





श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम
78 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह (अस्पताल स्कंध और बीएमटी स्कंध)
15 अगस्त 2024







विश्व रोगी सुरक्षा दिवस समारोह- 2024 की रिपोर्ट

एनएबीएच मान्यता प्रक्रिया के भाग के रूप में गठित श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एससीटीआईएमएसटी) की सुरक्षा संचालन समिति ने 20 सितंबर 2024 को विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्व रोगी सुरक्षा दिवस, डब्ल्यूएचओ के वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य दिवसों में से एक है जो प्रतिवर्ष 17 सितंबर को मनाया जाता है। विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के उद्देश्यों में रोगी सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता और प्रतिबद्धता बढ़ाना, रोगी सुरक्षा की समझ में सुधार करना, वैश्विक एकजुटता और कार्रवाई को बढ़ावा देना तथा विशिष्ट रोगी सुरक्षा मुद्दों का समाधान करना शामिल है। यह स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के सभी हितधारकों के लिए एक अभियान है, जिसमें वे एक साथ मिलकर काम करें और रोगी सुरक्षा में सुधार के लिए भागीदारी साझा करें। इस वर्ष के कार्यक्रम का विषय, "रोगी सुरक्षा के लिए निदान में सुधार", रोगी के परिणामों को बढ़ाने और जोखिम को कम करने में सटीक और समय पर निदान की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करने के लिए चुना गया था। यह कार्यक्रम सभागार 2, एससीटीआईएमएसटी में सलाहकारों, नर्सिंग अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सुरक्षा अधिकारियों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों की एक प्रतिष्ठित सभा के साथ हुआ।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य रोगी सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा स्वास्थ्य देखभाल के महत्वपूर्ण पहलू के रूप में निदान के महत्व पर संवाद को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत एससीटीआईएमएसटी की नर्सिंग अधिकारी सुश्री अंजुषा द्वारा गाए गए भावपूर्ण मंगलाचरण से हुई, जिससे कार्यक्रम का माहौल शांत और चिंतनशील हो गया। एससीटीआईएमएसटी में सीटीवीएस के अपर प्रोफेसर और क्लिनिकल सुरक्षा अधिकारी डॉ. विनीश राधाकृष्णन ने अपने भाषण से उपस्थित लोगों का स्वागत किया, जिसमें उन्होंने मरीजों के प्रबंधन और देखभाल में सही निदान करने के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि किस प्रकार यह रोगी सुरक्षा में योगदान देता है तथा रोगी के परिणामों में सुधार लाने में स्वास्थ्य पेशेवरों की साझा जिम्मेदारी है।

श्रीमती निर्मला एम.ओ., नर्सिंग अधीक्षक और सुरक्षा संचालन समिति की अध्यक्ष, ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उनका भाषण प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक था, जिसमें रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने और रोगी देखभाल में निदान सटीकता में सुधार करने में नर्सिंग नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया।

आधिकारिक उद्घाटन एससीटीआईएमएसटी की चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ. कविता राजा द्वारा किया गया। उनके उद्घाटन भाषण में चिकित्सा त्रुटियों को रोकने के लिए समय पर निदान के महत्व और रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में सहयोगात्मक प्रयासों की निरंतर आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजु नायर ने हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की तथा संस्थान के भीतर जागरूकता बढ़ाने तथा सुरक्षा की संस्कृति का निर्माण करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर बल दिया।

डॉ. दीनप के.पी., एसोसिएट प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एससीटीआईएमएसटी ने मुख्य वक्ता का संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. स्वप्ना बिजूलाल ने थीम वार्ता के लिए मंच तैयार किया।

मुख्य भाषण क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अपर प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. स्वप्ना बिजूलाल ने दिया। उनकी प्रस्तुति में रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सटीक निदान के महत्व पर गहनता से प्रकाश डाला गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे गलत निदान या निदान में देरी से प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं और उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में नैदानिक प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की। उपस्थित लोगों के बीच इस चर्चा को खूब सराहा गया।



एससीटीआईएमएसटी के सहायक सुरक्षा एवं संरक्षा अधिकारी तथा सुरक्षा संचालन समिति के सदस्य सचिव श्री हरिकृष्णन ने बाल अपहरण की रोकथाम के लिए संस्था की योजनाओं पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बाल रोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लागू किए गए निवारक उपायों और प्रोटोकॉल की रूपरेखा बताई। इस प्रस्तुति ने रोगी सुरक्षा के एक अक्सर नजरअंदाज किये जाने वाले पहलू पर प्रकाश डाला, तथा कमजोर आबादी की सुरक्षा के लिए संस्थान के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का समापन श्री विजयकृष्णन आर, नर्सिंग अधिकारी सी, और रोगी सुरक्षा अधिकारी द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति उनके बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया तथा रोगी सुरक्षा के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई।

यह आयोजन बहुत सफल रहा, जिसमें रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने में निदान के महत्वपूर्ण महत्व पर चर्चा और चिंतन करने का अवसर मिला। यह कार्यक्रम ज्ञान, रणनीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है जिसका उद्देश्य नैदानिक त्रुटियों को कम करना और रोगी परिणामों को बेहतर बनाना है।

इस कार्यक्रम ने रोगी सुरक्षा के प्रति एससीटीआईएमएसटी के समर्पण को रेखांकित किया, जो उच्च गुणवत्ता वाली, सुरक्षित और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए इसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सुरक्षा संचालन समिति सहयोग, नवाचार और शिक्षा के माध्यम से रोगी सुरक्षा में सुधार के लिए निरंतर प्रयास करने की आशा करती है।







हिसाब

कल क्या होगा किसने जाना
आज जो बोया वह है पाना,

जब जब पाप का बोझ बढेगा
ईश्वर सबका हिसाब रखेगा

तो कल को अगर सुख है पाना
आज करो कुछ पुण्य कमाना



सुश्री कावेरी बी एस
उच्च श्रेणी लिपिक -बी



हिन्दी पखवाड़ा समारोह 2024 का रिपोर्ट

पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष में भी हिन्दी दिवस तथा चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन दिनांक 14.09.2023 को माननीय गृह मंत्री जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई थी। श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेन्द्रम में दिनांक 18.09.2024 को हिन्दी निबंध प्रतियोगिता के साथ हिन्दी पखवाड़ा समारोह 2024 का शुभारंभ किया गया।

प्रतियोगिताओं का आयोजन

दिनांक 18.09.2024 को 11.30 बजे से 12.00 बजे तक हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिन्दी निबंध प्रतियोगिता के लिए (i) भारत में साइबर सुरक्षा, (ii) शहर में बढ़ते अपराध, (iii) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/ कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे तीन विषय दिए गए थे जिनमें से किसी एक विषय पर निबंध लिखना था। उक्त प्रतियोगिता में कुल 09 कर्मियों ने भाग लिया था।

दिनांक 19.09.2024 को 10.30 बजे से 11.00 बजे तक हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में कुल 16 कर्मियों ने भाग लिया था। दिनांक 20.09.2024 को 02.30 बजे से 03.00 बजे तक हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। “राजभाषा हिन्दी” पर 05 स्लोगन लिखने के लिए विषय दिया गया था। इस प्रतियोगिता में कुल 08 कर्मियों ने भाग लिया था।

हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता दिनांक 23.09.2024 को 11.00 बजे से 12.00 बजे तक आयोजन किया गया था। उक्त प्रतियोगिता में कुल 07 कर्मियों ने भाग लिया। दिनांक 24.09.2024 को 12.00 बजे से 12.30 बजे तक आयोजित हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता में कुल 32 कर्मियों ने भाग लिया था।

समापन समारोह एवं हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हिन्दी पखवाड़ा समारोह 2024 का समापन समारोह दिनांक 30.09.2024 को अपराह्न 03.00 बजे से एन एच वाडिया हॉल, एएमसीएचएसएस में आयोजित किया गया था। सुश्री कावेरी बी एस, उच्च श्रेणी लिपिक की प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। डॉ संतोष कुमार बी, कुलसचिव एवं सयोजक राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा स्वागत भाषण दिया। इस कार्यक्रम का अध्यक्ष डॉ राय जोसफ, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक कार्य प्रभाग) था। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण के जरिए संस्थान में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दिया। विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता हुए सभी कर्मचारियों को बधाई दी। अध्यक्षीय भाषण के पश्चात पुरस्कार वितरण था।

पुरस्कार वितरण

कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ सुरेश कुमार आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम), डॉ राय जोसफ, संकायाध्यक्ष, डॉ देवाशीष गुप्ता, प्रोफेसर द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता बने सभी कर्मियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

1. हिन्दी निबंध प्रतियोगिता

1	डॉ. शैनी वेलायुधन, वैज्ञानिक एफ	प्रथम
2	डॉ गीता एम, वैज्ञानिक अधिकारी	द्वितीय
3	सुश्री महिमा गौरी आई एस, पीएचडी	तृतीय



2. हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

1	सुश्री कावेरी बी एस, उच्च श्रेणी लिपिक –बी	प्रथम
2	सुश्री स्मिता पी एम, कार्यकारी सहायक – बी	द्वितीय
3	सुश्री दीपा एल एस, कार्यकारी सहायक – बी	तृतीय

3. हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता

1	सुश्री शैनी वेलायुधन, वैज्ञानिक एफ	प्रथम
2	सुश्री डिंपल गोपी, पुस्तकालयाध्यक्ष –सह –प्रलेखन अधिकारी –बी	द्वितीय
3	डॉ गीता एम, वैज्ञानिक अधिकारी	तृतीय

4. हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता

1	सुश्री कावेरी बी एस, उच्च श्रेणी लिपिक –बी	प्रथम
2	सुश्री दीपा एल एस, कार्यकारी सहायक – बी	द्वितीय
3	सुश्री कोहिला एस, कार्यकारी सहायक – बी	तृतीय

5. हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता

1	सुश्री आर्या राज एस, एमपीएच 2024	प्रथम
2	सुश्री लक्ष्मी एस एस, उच्च श्रेणी लिपिक –बी	द्वितीय
3	सुश्री स्मिता पी एम, कार्यकारी सहायक – बी	तृतीय

पुरस्कार वितरण के बाद सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला आयोजित किया गया था। कार्यशाला के लिए डॉ सुरेश कुमार आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) को आमंत्रित किया गया था। डॉ सुरेश कुमार आर ने "टिप्पण एवं आलेखन" विषय पर कार्यशाला चलाई। कार्यशाला में कुल 18 कर्मियों ने भाग लिए। सुश्री नीतू के.एम, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक के कृतज्ञता ज्ञापन के साथ समापन समारोह का कार्यक्रम समाप्त हुई।



हिन्दी पखवाड़ा समारोह 2024

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन





समापन समारोह







मैं वो टूटा तारा हूं, जो मां को हमेशा प्यारा हूं

छोटा तारा

रात को मां सुलाती थी ।
लोरियां मीठी गाती थी ।
सुनकर मां की मधुर लोरी,
अम्बर में आये दिए वो सारी ।
चांद और रात के बच्चे हैं वो,
रात को टिमटिमाते हैं वो ।

जवान तारा

जब मुझसे बचपन ये छूटे,
आये हज़ारों तारे ये टूटे ।
ख्वाइशों की दिवाली थी ।
सपने बहुत निराली थी ।
दिन तो रात होती थी और,
तारे मुझे जगाती थी ।

बेचारा तारा (बूढ़ा तारा)

जब जवानी की शाम आये
खोये लोगों की याद आये ।
तारे बनकर ऊपर वो,
पुकारे जल्दी चले आओ ।
सारे अपने वहां में हो तो,
क्यों न बनूं सितारे मैं तो ।

सुश्री सीमा एस

पुस्तकालयाध्यक्ष सह प्रलेखन सहायक –बी

पुस्तकालय, बीएमटी स्कंध



एससीटीआईएमएसटी में 12 अगस्त से 18 अगस्त, 2024 तक एंटी-रैगिंग सप्ताह का पालन एंटी रैगिंग जागरूकता महोत्सव पर एक रिपोर्ट



रैगिंग एक आपराधिक अपराध है और यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की समस्या को रोकने, निषेध करने और समाप्त करने के लिए नियम बनाए हैं। ये नियम अनिवार्य हैं और सभी संस्थानों को उपरोक्त नियमों के प्रावधानों के अनुसार निगरानी तंत्र को शामिल करने और इसके सख्त अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए इसके कार्यान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है। यूजीसी ने रैगिंग को रोकने के लिए मीडिया अभियान की प्रभावी शुरुआत सहित कई सक्रिय कदम उठाए हैं।

यूजीसी के निर्देशों के अनुसार, संस्थान में 12 अगस्त को एंटी रैगिंग दिवस मनाया गया और उसके बाद 12 अगस्त से 18 अगस्त, 2024 तक एंटी रैगिंग सप्ताह मनाया गया। यह पहल रैगिंग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में यूजीसी के प्रयासों में से एक थी।

एंटी रैगिंग दिवस के उपलक्ष्य में, 12 अगस्त, 2024 को संस्थान ने एससीटीआईएमएसटी द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच एंटी-रैगिंग शपथ का आयोजन किया है। संस्थान ने 14 अगस्त, 2024 को छात्रों, निवासियों और संकाय सदस्यों के लाभ के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. जी. मोहन राय, सलाहकार मनोचिकित्सक, सरकारी मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम ने "सुरक्षित स्थानों का निर्माण" विषय पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में अधिकांश छात्र और कई संकाय सदस्य उपस्थित थे। एससीटीआईएमएसटी ने रैगिंग के खिलाफ जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए छात्रों/संकाय/गैर-शिक्षण कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए नारा और निबंध लेखन, पोस्टर बनाने जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया।



चित्र 1: 12 अगस्त, 2024 को एससीटीआईएमएसटी में ली गई एंटी रैगिंग विरोधी शपथ



चित्र 2: 14 अगस्त, 2024 को एससीटीआईएमएसटी में आयोजित एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम।



चित्र 3: 14 अगस्त, 2024 को एससीटीआईएमएसटी में आयोजित एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम।



शहर में बढ़ते अपराध

कई साल पहले एक बहुत ही लोकप्रिय फ़िल्मी गाना हर एक के दिल में छा गया था। गाने के बोल कुछ इस प्रकार के हैं :-

“ये बंबई शहर, हादसों का शहर है
यहाँ ज़िंदगी हादसों की सफर है
यहाँ रोज़-रोज़, हर मोड़ पर
होता है कोई हादसा ”

इस पूरे गाने में बंबई में होने वाले हादसों या अपराधों का जिक्र है। क्योंकि उस ज़माने में बंबई को सपनों के शहर से ज्यादा अपराधों का शहर माना जाता था। कई माइने में तो यह वास्तव साबित हुआ था -वहाँ की गुंडागिरी, हिन्दी फिलिमिस्तान में “डी कंपनी का हृद से ज्यादा प्रभाव, धोखेबाजी सब कुछ बंबई शहर के मुख पर काला टीका साबित हुआ। लेकिन आज हर एक छोटा बड़ा शहर हादसों से भरपूर है। आखिर क्यों?

शहरों में बढ़ते अपराधों के कई कारण हैं :-

1. पैसे या संपत्ति – जब आपके पास पैसे कम हो तो आप ज़रूरतों से लाचार कई ऐसे काम कर बैठते हैं जो नेक नहीं होते। कभी कबाह ऐसा भी होता है कि आपकी ज़रूरतें हृद से ज्यादा होती हैं और ज़रूरतों की पूर्ति के लिए पैसा कमाने के टेढ़े रास्ते अपना लेते हैं। आपकी बढ़ती ज़रूरतें आपको अपराध करने को प्रेरित करती हैं।
2. नशा – पैसों का और नशीले पदार्थों का। इनको पाने के लिए आप किसी के जान भी लेने को तैयार हो जाते हैं। शहरों में अक्सर “नाइट लैफ” बहुत सक्रिय होते हैं। आप अपना वक्त “बार” में या शराबखानों में बड़े मस्ती से बिता सकते हैं। नशे में मस्त आदमी अपनी दिमागी हालत खो बैठता है और डकैती, बलात्कार या हत्या जैसे अपराध कर बैठता है।
3. पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों की च्युति – शहरों में ज्यादातर लोग सामाजिक मूल्यों से विमुखता प्रदर्शित करते हैं। जब हम अपने संस्कार से विमुख होकर विदेशी संस्कार अपनाने में तुल्य होते हैं तो हम में संवेदना की भावना कम हो जाती है। जब हम संवेदनशील नहीं होते तो हमें अपराध करने में कोई आपत्ति नहीं दिखती।
4. शहरों की बढ़ती जनसंख्या – अक्सर शहरों में लोग रोज़गार की खोज में आ पड़ते हैं और वहीं पर ठहर जाते हैं। इस कारण शहरों में आबादी बढ़ जाती है और हर व्यक्ति भोजन, पानी और मकान पाने की बागदौड़ में फंस जाता है। होशियार आदमी अपनी होशियारी से काम चला लेता है और लाचार लोभ भूख -प्यास में दबे घुटता रहता है। इस लाचरता का फायदा होशियार लोग उठाते हैं और लाचारों को अपराधी होने को मजबूर कर देते हैं।

क्या हम अपराधों से मुक्त करा सकते हैं? बिलकुल। हर एक नागरिक को यह मन में ठान लेनी चाहिए कि न हम अपराध करेंगे और न ही हम अपराधियों का साथ देंगे। राज्य में न्याय व्यवस्था की सख्ती होनी चाहिए। हमने कई बार ईमानदार और सख्त न्याय व्यवस्था का उदाहरण भी देखा है, जहाँ पुलिस और न्याय पालक किसी की दबाव में न पड़कर ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाया है।

डॉ शैनी वेलायुधन
वैज्ञानिक एफ
बीएमटी स्कंध



राजभाषा की गतिविधियां

राजभाषा की प्रचार एवं प्रसार को ध्यान में रखते हुए एससीटीआईएमएसटी के हिन्दी प्रकोष्ठ नियमित रूप से संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित किए जाते हैं। हर तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठकें आयोजित करते हुए राजभाषा की प्रगति एवं कमियों के बारे में समीक्षा करते हैं। जुलाई 2024 से दिसंबर 2024 तक की अवधि के दौरान हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

दिनांक 19.07.2024 को एससीटीआईएमएसटी के वित्त और लेखा प्रभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए "टिप्पण और आलेखन" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 09 कर्मचारियों ने भाग लिए। दिनांक 20.11.2024 को एससीटीआईएमएसटी के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए "राजभाषा के रूप में हिन्दी" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 10 कर्मचारियों ने भाग लिए।





नराकास राजभाषा पुरस्कार 2023-24

राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय I), तिरुवनंतपुरम ने एससीटीआईएमएसटी को उत्कृष्ट राजभाषा कार्य निष्पादन के लिए विशेष उल्लेख पुरस्कार तथा एससीटीआईएमएसटी की हिन्दी गृह पत्रिका 'चित्रलेखा' को तृतीय पुरस्कार के लिए चुना गया है। पुरस्कार दिनांक 12 दिसंबर 2024 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्राप्त किया गया।





द्वितीय अखिल भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राजभाषा संगोष्ठी पर एक रिपोर्ट

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज़) नैनीताल, उत्तराखंड में हिंदी भाषा में द्वितीय अखिल भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राजभाषा संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें डॉ. नरेश कासोजू और डॉ. कमलेश के. गुलिया ने एससीटीआईएमएसटी, त्रिवेंद्रम का प्रतिनिधित्व किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा में वैज्ञानिक और तकनीकी खोजों की अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना था ताकि यह आम लोगों तक पहुंच सके। विभिन्न डीएसटी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिंदी में अपने शोध साझा किए। गृह मंत्रालय के सम्मानित राजभाषा अधिकारी, डॉ. छबील कुमार मेहर, श्री अरुण कंसल, डीएसटी, डॉ. मनीष कुमार नाजा (निदेशक, एरीज़), डॉ. समीर कुमार ओझा (टोलिक, हल्द्वानी) और डॉ. चंद्र मोहन नौटियाल (सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक), श्री मोहित कुमार जोशी (आयोजक) और अन्य सम्मानित प्रतिनिधियों ने इस नेक प्रयास पर अपने विचार रखे और बैठक की स्मारिका का विमोचन भी किया।



डॉ. कमलेश के. गुलिया ने पहले दिन (20 नवंबर 2024) वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।





दूसरे दिन डॉ. कमलेश ने नींद पर व्याख्यान दिया, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: आधुनिक युग में अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन बनाए रखने की चुनौती और डॉ. नरेश कासोजू इस विषय पर "सिल्क-आधारित वायोमेटेरियल्स और ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में उनके उपयोग"





आयोजकों ने शाम को सूर्य दर्शन और तारों को देखने के लिए विशेष दूरबीनों की व्यवस्था की थी।



आर्यभट्ट वेधशाला का दौरा और एस्ट्राड का प्रदर्शन, मौसम संबंधी मापदंडों को मापने के लिए सेंसर से बंधे गुब्बारे (हीलियम से भरे) को हवा में छोड़ना इस विशेष बैठक के विशेष आकर्षण थे।





राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह 2024



23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 मिशन के तहत विक्रम लैंडर की सफल सॉफ्ट लैंडिंग के साथ भारत ने इतिहास रच दिया और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" के रूप में घोषित किया। 23 अगस्त, 2024 को मनाए जाने वाले पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का विषय था 'चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा।'

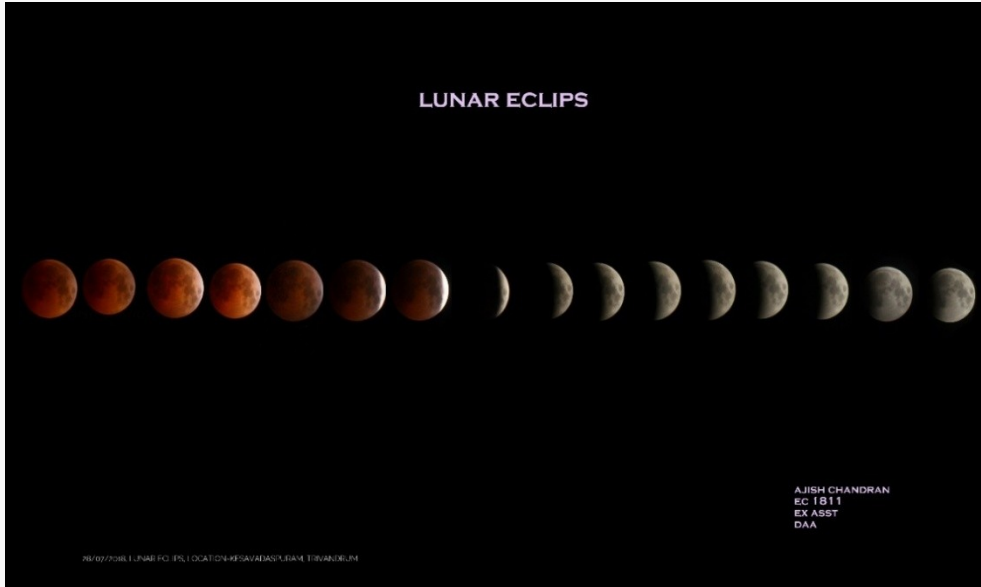
श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम ने 23 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया। संस्थान ने कर्मचारियों, छात्रों और कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। आयोजित कार्यक्रमों और उनके समन्वयकों की सूची नीचे दी गई है:

क्रम सं.	कार्यक्रम	थीम/विषय	कार्यक्रम समन्वयक
1	एस्ट्रो फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं	ब्रह्मांडीय नेत्र	डॉ. सचिन शेनॉय, वैज्ञानिक, अनुप्रयुक्त जीव विज्ञान विभाग
2	एस्ट्रो पेंटिंग प्रतियोगिताएं	अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोग	डॉ. अनुज्ञा भट्ट, वैज्ञानिक, अनुप्रयुक्त जीव विज्ञान विभाग
3	एस्ट्रो पोस्टर प्रतियोगिताएं	अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोग	डॉ. मनोज जी., चिकित्सा उपकरण इंजीनियरिंग विभाग और डॉ. फ्रांसिस फर्नांडीज, बायोमटेरियल विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
4	एस्ट्रो -कविता प्रतियोगिता	तारों भरे आकाश के प्रति जुनून	डॉ. कमलेश गुलिया, अनुप्रयुक्त जीव विज्ञान विभाग
5	एस्ट्रो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	अंतरिक्ष, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष चिकित्सा से संबंधित।	डॉ. रंजीत एस., प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता प्रबंधन विभाग



प्रतियोगिताएं अगस्त 2024 के तीसरे सप्ताह में आयोजित की गईं। विजेताओं के नाम और प्रतियोगिता के अन्य विवरण नीचे दिए गए हैं:

एस्ट्रो फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं



फोटो: चंद्र ग्रहण का पूरा दृश्य
विजेता, प्रथम पुरस्कार: अजीश चंद्रन, ई कोड 1811, कार्यकारी सहायक



फोटो: द सुपरमून
विजेता, दूसरा स्थान: साजिन राज, ई कोड: 2238, तकनीकी सहायक
(इंस्ट्रुमेंट्स)



फोटो: हर कदम हमें चांद के करीब लाता है, दिन के उजाले में भी।
विजेता, दूसरा स्थान: डॉ. रेम्या एन.एस.,
ई कोड: 2219, वैज्ञानिक डी



विजेता, तृतीय पुरस्कार: डॉ. सूर्या के., ई.कोड: 50517,
एमपीएच छात्र

एस्ट्रो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता - 22/08/24 को एक अंतरिक्ष प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई और एससीटीआईएमएसटी के तीनों स्कंधों से 16 छात्रों/कर्मचारियों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एमएसवी ब्लॉक, बीएमटी विंग के सेमिनार हॉल (लेवल 2) में सुबह 10 बजे आयोजित की गई थी। डॉ. रंजीत एस., वैज्ञानिक सी, सीएएफ प्रश्नोत्तरी मास्टर थे। प्रारंभ में, एक लिखित प्रारंभिक दौर आयोजित किया गया और पांच प्रतिभागियों ने अंतरिक्ष प्रश्नोत्तरी के समापन के लिए अर्हता प्राप्त की।



समापन सत्र में अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों से प्रश्न पूछे गए। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, बायोफोटोनिक्स डिवीजन के जूनियर रिसर्च फेलो श्री अरुण राजू प्रथम पुरस्कार विजेता के रूप में उभरे। श्री अजीश चंद्रन, कार्यकारी सहायक (शैक्षणिक कार्य प्रभाग), और सुश्री कावेरी बी.एस. (उच्च श्रेणी लिपिक, वित्त और लेखा प्रभाग, अस्पताल स्कंध) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें नीचे दी गई हैं:



प्रारंभिक दौर



फ़ाइनलिस्ट

पोस्टर प्रतियोगिता: पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता और पुरस्कार जीतने वाले पोस्टर नीचे दिए गए हैं:



पोस्टर – दूसरा पुरस्कार

विजेता: सुश्री श्रेया सी.एस., बेटी टी.एस. चित्रा, ई.
कोड – 2115

पोस्टर – प्रथम पुरस्कार

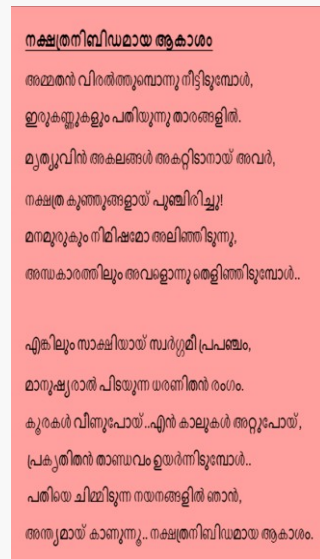
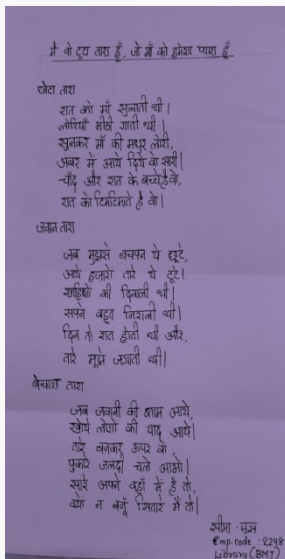
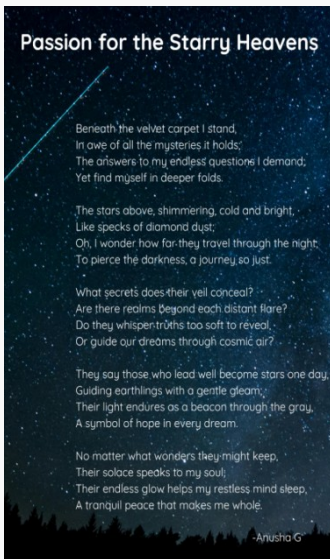
विजेता: सुश्री नेहा और सुश्री लक्ष्मी



पोस्टर – तीसरा पुरस्कार
विजेता: सुश्री अष्टमी देव एस (2117)

पोस्टर – तीसरा पुरस्कार
विजेता: सुश्री मीनाक्षी

कविता प्रतियोगिता: कविता प्रतियोगिता के विजेता और पुरस्कार जीतने वाली कविताओं के नाम नीचे दिए गए हैं:



कविता - प्रथम पुरस्कार
विजेता: सुश्री अनुषा जी.,
एमटेक क्लिनिक
इंजीनियरिंग छात्र

कविता – तीसरा पुरस्कार
विजेता: सुश्री कृपामोल आर.,
पीएचडी स्कॉलर, टिशू कल्चर
विभाग, बीएमटी स्कंध



पेंटिंग प्रतियोगिता: 'अंतरिक्ष विज्ञान और मानवता' विषय पर कर्मचारियों और छात्रों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। यह कार्यक्रम 18 वर्ष से कम आयु के कर्मचारियों के बच्चों के लिए भी आयोजित किया गया था। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए थीम थी, 'गैलेक्सी एट ए ग्लांस'। पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता और पुरस्कार जीतने वाली उनकी पेंटिंग नीचे दी गई हैं:

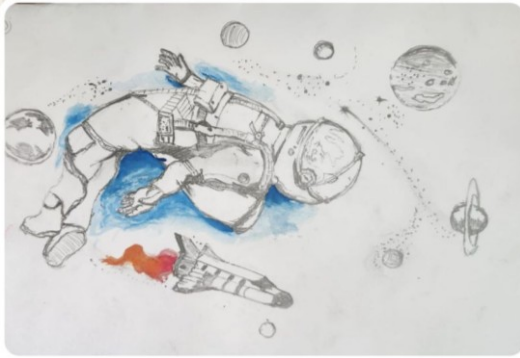
कर्मचारियों और छात्रों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता-विजेता



प्रथम पुरस्कार: श्री निखिल विष्णु के., टाइमेड



दूसरा पुरस्कार: श्री शरत एस.एस. - एसी प्रभाग



तीसरा पुरस्कार: श्री साजिन राज, विद्युत अनुभाग



तीसरा पुरस्कार: सुश्री अंजु वी., पत्नी डॉ. संतोष कुमार

कर्मचारियों के बच्चों (18 वर्ष से कम) के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता – विजेता



प्रथम पुरस्कार: द्युति एस., 13 वर्ष, पुत्र
श्री जीजो पी.टी



दूसरा पुरस्कार: अम्मू कृष्णन, 10 वर्ष,
पुत्री सुश्री रेस्मी ए.एन.



तृतीय पुरस्कार: आदिदेव एस., पुत्र डॉ. संतोष कुमार

समापन समारोह : समापन समारोह 23 अगस्त 2024 को अपराह्न 3.00 बजे आयोजित किया गया और इस अवसर के मुख्य अतिथि डॉ. के.एन. निनान, पूर्व उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं उप निदेशक, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) और एमेरिटस प्रोफेसर, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी), वलियामाला, त्रिवेंद्रम थे। उन्होंने अपने व्याख्यान का शीर्षक रखा: 'भारत का चंद्रमा और उससे आगे का अविश्वसनीय मिशन'। कार्यक्रम का आयोजन एससीटीआईएमएसटी, त्रिवेंद्रम के बीएमटी स्कंध परिसर के कॉम्बिनेशन डिवाइस (सीडी) ब्लॉक में किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने इसरो के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों, उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और इसरो द्वारा राष्ट्र की सेवा करने के तरीके पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने श्रोताओं को एक दूरदर्शिता, प्रतिबद्धता और सहयोग के साथ कड़ी मेहनत करने के लिए भी प्रेरित किया। समारोह की कुछ तस्वीरें नीचे दी गई हैं:





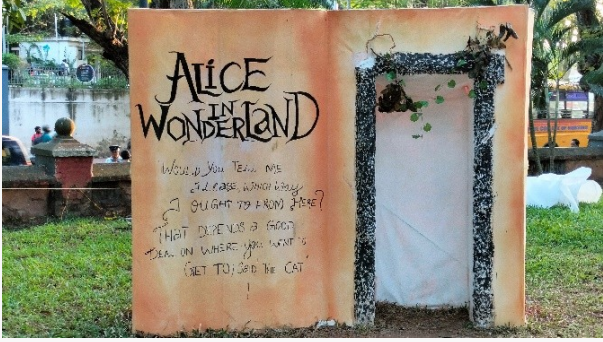
वसंतोलसवम: कनककुन्नू महल परिसर के भव्य प्रकाश में जगमग पुष्प प्रदर्शनी द्वारा नव वर्ष 2025 का स्वागत



वसंतोलसवम, एक बहु लोकप्रिय दस दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी उत्सव है जिसे केरल सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा जोर शोर से प्रतिवर्ष २५ दिसंबर से ३ जनवरी दौरान आयोजित किया जाता है। इस वर्ष प्रदर्शनी का विषय "खुशियों को रोशन करना, सद्भाव फैलाना" रखा गया था। क्रिसमस उत्सव से प्रारम्भ, जगमगाती रौशनी में नहाया हुआ कनककुन्नू महल बर्फीले भालुओ, इग्लू गुड़िया, डाइनोसॉर, एनाकोंडा गुफा, फूलों से बनी डॉलफिन जोड़ी, बोन्साई और पुष्प प्रदर्शनी ने तो सबका मन मोह कर नूतन वर्ष का प्रसन्नता से स्वागत किया।

वसंतोलसवम प्रदर्शनी में क्रिसमस त्यौहार का लुभावना दृश्य, बर्फ में धवल रेन्डियर, भालुओं के विशाल परिवार और इग्लू गुड़िया और नव सुसज्जित महलनुमा नुमाईश बच्चों और बड़ों के आकर्षण का केंद्र रही।





बच्चों को ऐलिस इन वंडर लैंड की यादों में, मशरूम के फूलनुमा रंगीन दुनिया से एनाकोंडा के मुख द्वार में ले जाकर एक साहसिक यात्रा का भी अनुभव दिया गया जो की इग्लू परियों के देश में ले जा रहा था जहाँ सुन्दर पुष्प और तितलियों की भरमार है। एनाकोंडा द्वार को दिखाना ऐतिहासिक था क्योंकि त्रिवेन्द्रम चिड़ियाघर में २०१४ में ७ एनाकोंडा को लाया गए थे जो की यहां हमेशा ही आकर्षण का केंद्र रहे है।





असली फूलों से सृजन की गयी लुभावनी डॉलफिन जोड़ी के साथ तो हर कोई सेल्फी लेना चाह रहा था। डॉलफिन एक बुद्धिमान प्राणी है जोकि पूर्ण सामंजस्य, एकता, संतुलन और सहयोगात्मक व्यवहार की प्रतीक है और विभिन्न संस्कृतियों में इन्हे रक्षक और मार्गदर्शक के रूप में देखा जाता है।



दुर्लभ बोन्साई संग्रह, जैव विविधता प्रदर्शनी द्वारा पर्यावरण का महत्व, जागरूकता दर्शाने में भी वसंतोलसवम एक तरह सफल रही। एकता, सद्भाव और खुशी के सन्देश के साथ वसंतोलसवम प्रदर्शनी ने जन जीवन में नयी ऊर्जा और प्रकाश के साथ नूतन वर्ष का आगाज किया।



कमलेश के गुलिया, पी एच डी
वैज्ञानिक जी एफप्रभारी, निद्रा अनुसंधान विभाग
बायोमेडिकल टेक्नोलॉजी विंग, सैटलमॉन्ड पैलेस
श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम
(भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)